भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 2873
उत्तर देने की तारीख : 08.08.2024

एमएसएमई के लिए 2024 में योजनाएं

2873. श्री के. ई. प्रकाश :

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के वृद्धि और विकास के लिए सहायता हेतु वर्ष 2024 में कोई नई योजनाएं शुरू की हैं;
(ख) यदि हां, तो इन योजनाओं का ब्यौरा क्या है और किस प्रकार की सहायता प्रदान की गई है;और
(ग) इन योजनाओं से लाभान्वित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की राज्य-वार संख्या कितनी है?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क): सरकार ने वर्ष 2023-24 में पीएम विश्वकर्मा स्कीम की शुरुआत की थी। माननीय प्रधान मंत्री द्वारा दिनांक 17.09.2023 को इस स्कीम की शुरुआत की गई थी।

(ख): इस स्कीम का उद्देश्य 18 व्यापारों में लगे कारीगर और शिल्पकार, जो अपने हाथों और औजारों से काम करते हैं, को आद्योपांत सहायता प्रदान करना है। इस स्कीम के घटकों में पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र के माध्यम से मान्यता प्रदान करना, कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन, क्रेडिट सहायता, डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता शामिल हैं। इस स्कीम को पूरे देश में शुरू किया गया है और इसके लाभ मिलने शुरू हो चुके हैं।

(ग): इस स्कीम के तहत प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुबंध** पर दिया गया है।

*****

अनुबंध

लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2873, जिसका उत्तर दिनांक 08.08.2024 को दिया जाना है, के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।

दिनांक 17.09.2023 को स्कीम की शुरुआत से दिनांक 03.08.2024 तक पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	नामांकनों/प्राप्त आवेदनों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	20,35,847
2.	अरूणाचल प्रदेश	2,222
3.	असम	6,51,869
4.	बिहार	15,71,358
5.	छत्तीसगढ़	9,44,949
6.	गोवा	34,934
7.	गुजरात	14,22,405
8.	हरियाणा	6,91,412
9.	हिमाचल प्रदेश	1,77,016
10.	जम्मू कश्मीर	4,44,329
11.	झारखंड	2,59,684
12.	कर्नाटक	28,38,346
13.	केरल	46,541
14.	मध्य प्रदेश	28,98,792
15.	महाराष्ट्र	12,60,055
16.	मणिपुर	71,507
17.	मेघालय	4,862
18.	मिजोरम	7,863
19.	नागालैंड	18,227
20.	ओडिशा	5,75,137
21.	पंजाब	1,53,678
22.	राजस्थान	18,91,766
23.	सिक्किम	3,634
24.	तमिलनाडु	8,42,618
25.	तेलंगाना	2,61,872
26.	त्रिपुरा	50,471
27.	उत्तर प्रदेश	28,67,237
28.	उत्तराखंड	2,61,733
29.	पश्चिम बंगाल	7,74,507
30.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1,250
31.	चंड़ीगढ़	509
32.	दमन और दीव एवं दादरा और नगर हवेली	6,344
33.	दिल्ली	29,286
34.	लद्दाख	5,093
35.	लक्षदीप	170
36.	पुडुचेरी	4,449
	कुल	**2,31,11,972**